धारक हैं । इनके पास क्रमशः 30% और 20% शेयर हैं ।

संयंत्र और मशीनरी के ठीक प्रकार से अनुरक्षण न करने और आधुनिकीकरण के अभाव और इस्पात संयंत्रों द्वारा अपेक्षित उच्च मूल्य उत्पादों के उत्पादन में सक्षम न होने के कारण के. एफ. एस. डब्ल्यू. रुग्ण हो गई। इस कारण के. एफ. एस डब्ल्यू. न्यून मूल्य के भारी मात्रा और आंशिक रूप से माध्यम मूल्य के कुछ उत्पादों के अधिक टन-भार का उत्पादन कर सका । विगत वर्षों में कम्पनी उत्पादन में कमी हुई है जिससे इसकी वित्तीय स्थिति प्रभावित हुई है । लगातार खराब कार्य-निष्पादन के कारण के. एफ. एस. डब्ल्यू. रुग्ण औद्योगिक कम्पनी (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1985 की शर्तों के अनुसार रुग्ण कम्पनी बन गई। इस समय यह मामला औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (बी. आई. एफ. आर.) के पास है । बी. आई. एफ. आर. द्वारा कई बार सुनवाई हो चुकी है परन्तु बी. आई. एफ. आर. द्वारा अभी तक अन्तिम निर्णय नहीं लिया गया है ।

**PURCHASE OF UNIFORM IN ROURKELA STEEL PLANT**

3439. SHRl GHUFRAN AZAM: Will the Minister of STEEL be pleascd to state :

(a) whether it is a fact that the Rourkela Steel Plant has floated tender for purchase of uniforms, and shoes for its employees in the past two months;

(b) whether the details of offers have been received by the RSP from both private and public sector;

(c) whether any Central Government Undertaking has also participated in the tender;

(d) if so, the details thereof; and

(e) what protection s being given to the Central Government Undertakings ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV) : (a) No, Sir. renders were however floated in the 1st quarter of 1993.

(b) and (c) Yes, Sir.

(d)M[s. Bharat Leather Corporation, a Central Govrenment Undertaking has participated in the tender for boots and shoes and their offer s under scrutiny by the plant.

(e)No special protection is provided to Central Government Undertaking in the purchase of boots aid shoes

**इंजीनियरी सामान सहायता कोष (इंजीनियरी गुड्स असिस्टेन्स फंड) की स्थापना**

3440. डा. जितेन्द्र कुमार जैन :
श्री राम जेठमलानी :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में इंजीनियरी सामान के, निर्यात को बढ़ावा देने के लिए इंजीनियरी सामान सहायता निधि की स्थापना की गयी है

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है, कि इस कोष के माध्यम से इंजीनियरी सामान के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य प्रति पूर्ति योजना के अन्तर्गत सहायता दी जाती है,

(ग) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि उक्त योजना के अन्तर्गत लगभग 450 करोड़ रुपए के दावे भुगतान हेतु लम्बित हैं, और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार इस पर्याप्त धनराशि की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए इस्पात पर लगाए जाने वाले उपकर की दरों में वृद्धि करने पर विचार कर रही है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) और (ख) इंजीनियरी माल निर्यात सहायता निधि (इं. जी. ई. ए. एफ.)